017

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

(परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे)

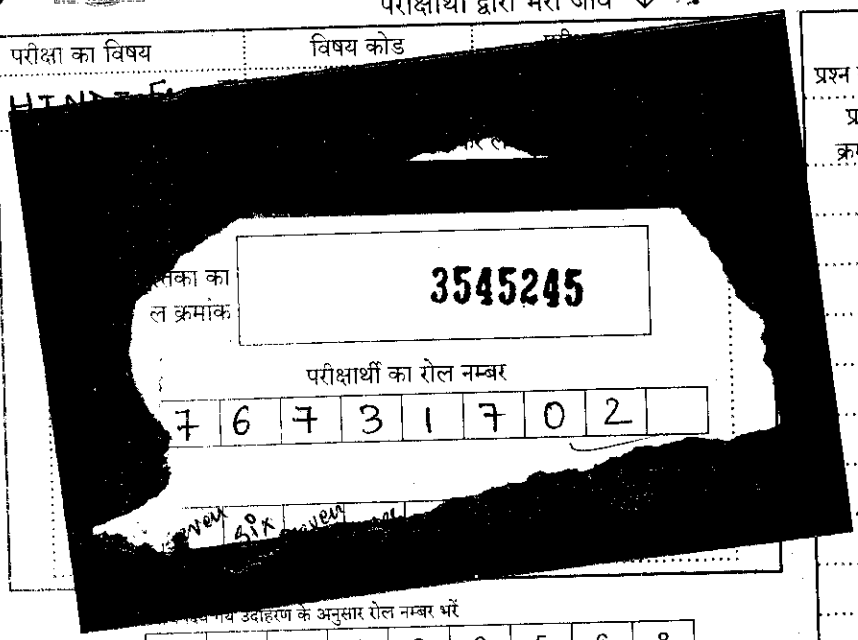

परीक्षा का विषय	विषय कोड	[redacted]
[redacted]		

...का का ...ल क्रमांक: 3545245

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

7	6	7	3	1	7	0	2	

[redacted] ...य उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

(केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे)

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 08

ग - परीक्षा का दिनांक 07 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्र 6[illegible]1054

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर) 7-3-17	Sonakia

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

(परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे)

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Smt. S. Chokhur 74803 G.H.S.S. No. 2 Mandla Supervisor	बी.एल.देशमुख व्याख्याता पं.क्र. 74478

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOAR

क्र.

प्रश्न - 01

(1) 1578 ई.

(2) निबंध

(3) फणीश्वर नाथ रेणु

(4) ~~1580~~ 142

(5) गुलाब राय

प्रश्न - 02

1) (स) बादल

2) (स) सत्याग्रह

3) (द) 1915

4) (ब) वर्षा

5) (स) कमल

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्न - 3

(1) सत्य

(2) [redacted] सत्य

(3) सत्य

(4) असत्य

(5) सत्य

BSE

प्रश्न - 4

(1) तीन बच्चे — (क) सुभद्राकुमारी चौहान

(2) यशोधरा कि व्यथा — (अ) मैथिलीशरण गुप्त

(3) पुस्तक — (ब) निबंध

(4) रहिमन विलास — (इ) रहीम

(5) शौर्य गाथा — (स) भूषण

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 5

(i) गाँधी जी के अनुसार सच्ची शिक्षा चारित्रिक चेतना एवं कर्तव्य का बोध कराती है।

(ii) गंगाजल का शब्द विग्रह है → गंगा का जल।

(iii) कर्मधाराय समास मे समासिक शब्द मे विशेषण - विशेष्य का भाव होता है।

(iv) रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं —

(1) सरल वाक्य
(2) संयुक्त वाक्य
(3) मिश्र वाक्य

(v) टैक्स शब्द अंग्रेजी पर्याय है कर शब्द का

प्रश्न - 6

उत्तर चाची ने माँ के पास जाकर सिरचन पर क्रोधित होते हुए बोली → "छोटे आदमी का मुंह भी छोटा होता है। ज्यादा मुँह लगाओगे तो सिर चढ़ेगा हि ना। किसिके नेहर ससुराल कि बात यह क्यु करे भला।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 7

उत्तर देश के राजा का निधन हो चुका था। वे कोइ संतान भी नहीं छोड़कर गऐ थे जो उनके बाद राज काज संभाल सके। अब राज काज संभालने के लिए मंत्री जी भी बहुत वृद्ध हो चुके थे, वे इससे छुटकारा चाहते थे। इसलिए देश चलाने के लिए नए राजा का चुनाव आवश्यक था।

B
S
E

प्रश्न - 8

उत्तर भारतेन्दु युग कि विशेषताऐं -

(1) इस युग के निबंधो मे हास्य रस समाहित होता था।

(2) पाठक कि रुची का पूरा ध्यान रखा जाता था।

(3) इन निबंधो मे पत्रकारिता कि झलक साफ देखी जा सकती थी।

(4) निबंधो मे गंभीरता का अभाव है।

लेखकों का नाम :-

(1) भारतेंदु हरिशचंद्र → फुटकर निबंध

(2) बालकृष्ण भट्ट → भट्ट निबंधावली

प्रश्न - 9

उत्तर शुक्ल युग कि विशेषतायें :-

(1) शुक्ल युग के निबंधो मे स्वतंत्रता संग्राम कि झलक देखी जा सकती है।

(2) मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर निबंध भी इसी युग में लिखे गये हैं।

दो निबंधकारों के नाम :-

(1) बाबु गुलाबराय → (i) मेरी असफलतायें
(ii) ठलुआ क्लब

(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल → (i) चिन्तामणी भाग 1, 2.

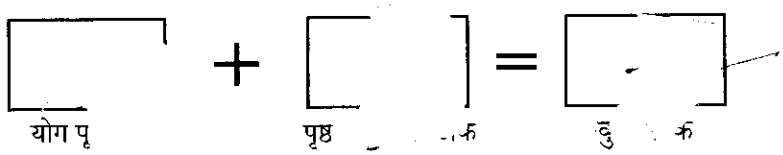

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-10

(i) कमल → पंकज , राजीव , अंबुज

(ii) गंगा → भागीरथी , मंदाकिनी

प्रश्न - 11

(1) फूला न समाना → बहुत खुश होना

वाक्य → राजेश ~~परिक्षा~~ परीक्षा मे उत्तीर्ण होने पर फूला नहीं समा रहा है।

(2) सर पटक लेना → हार मान लेना

वाक्य → अक्सर बच्चों कि चतुराई और शरारतों के आगे बड़े भी सर पटक लेते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 12

(1) दिन - दीन

दिन - दिवस
वाक्य → दिन के समय वातावरण सुखमयी होता है।

दीन - गरीब
वाक्य → हमे दीन लोगों कि पूरे श्रद्धा भाव से सहायता करनी चाहिए।

(2) नींद - निन्दय

नींद → निद्रा (सोने कि इच्छा)
वाक्य → रात को यदी ज्यादा जागोगे तो प्रातः बहुत नींद आएगी आएगी।

निन्दय → बुराई करना
वाक्य → बिना परिस्थिति जाने किसी कि निन्दा करना पाप है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 13

उत्तर "विश्व एक बौद्धिक समाज मे परिवर्तित हो रहा है।"

आजादि के पहले से हि भारत मे अनेक ~~बुद्धिजिव~~ बुद्धिमान लोगो का वास रहा है। चाणक्य, पाणिनी, आर्यभट्ट जैसे कई विद्वान भारत में वास करते थे। आजादी के बाद भी, औद्योगिकरण एव अनेक योजनाओ के चलते भारत उन्नति कर रहा है। आज भारत के साफ्टवेयर दुनिया मे प्रसिद्ध है एवं भारत का जनसंसाधन एवं युवाओ कि मांग पूरे विश्व मे है। इसलिए कहा जा सकता है विश्व एक बौद्धिक समाज मे परिवर्तित हो रहा है।

प्रश्न - 14

उत्तर चार तकनीकि शब्द :-

(1) हाइड्रोजन
(2) रडार
(3) टैक्स
(4) नाइट्रोजन

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOA

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 15

(i) छात्र - क्षात्र

छात्र → विद्यार्थी
वाक्य → छात्र विद्यालय शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं।

क्षात्र → क्षत्रिय
वाक्य → एक क्षात्र के खून मे युद्ध करना होता है।

(ii) वसन - व्यसन

वसन - वस्त्र
वाक्य → कृष्ण जी पीला वसन धारण करते थे।

व्यसन → बुरी आदत

वाक्य → शराब पीना एक व्यसन है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न – 16

अथवा

उत्तर छत्रसाल महाराज कि बरछी को भुजंगिनी कि उपमा दी गई है। महाराज छत्रसाल कि बरछी इतनी तेजी से दुश्मनो पर वार करती है और गज एवं सैनिको के सुरक्षा कवच को भेद देती है। छत्रसाल महाराज कि बरछी अपने दुश्मनो का पीछा कर उन्हे चुन चुन कर मार देती है। बरछी एक नागिन कि तरह दुश्मनो के गले मे लिपट जाती है अर्थात घाव कर जाती है। महाराज छत्रसाल कि बरछी युद्ध के मैदान मे शत्रु रूपी अंधकार को अपने सूर्य रूपी चमक से दूर कर देती है। बरछी एक मीन कि तरह दुश्मनो कि सेना को भेद जाती है।

BSE

प्रश्न – 17

अथवा

कवि ने हिमालय और हमारे अनेक संबंध बताए है :–

(1) जिस तरह हिमालय पर सूर्योदय एवं सूर्य अस्त कि लालिमा एक समान

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

होती है उसी प्रकार भारतवासी भी ~~अविचल~~ जीत और हार को समान भाव से ग्रहण करते हैं।

(2) जिस तरह हिमालय अडिग एवं अविचल है उसी तरह भारतवासी भी अविचल है।

(3) जिस तरह पर्वतराज हिमालय कभी भी अपना शीश नही झुकाता है उसी प्रकार भारतवासी भी अपना सिर हार के कारण नही झुकाते।

प्रश्न - 18

(2) माँ शिक्षा देती है कि अब भैरवी राग गाओ, उठो और सम्भलो। अर्थात माँ अपने बच्चे को शिक्षा देती है कि युद्ध के लिए तैयार हो जाओ, अब जागने का, उठने का और अपनी मातृभूमी कि सेवा करने का समय आ चुका है। माँ यह भी कहती है कि होश से काम लो और मुझे मत टालो। माँ का तात्पर्य यह है कि समय आ चुका है जब तुम्हे अपनी माँ एव अपनी मातृभूमी कि सयुक्त रूप से रक्षा करनी होगी। इस कार्य को पूरे होशो हवास मे करना होगा।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न — 19

अथवा

उत्तर जो व्यक्ति बली है वह अपने बल का प्रयोग किसी भी दिशा मे कर सकता है। क्योंकि बल अन्धा होता है उसे सही मार्गदर्शक कि आवश्यकता होती है। बल का प्रयोग जन समाज के कल्याण में भी हो सकता है और दूसरी तरफ क्षति पहुचाने मे भी। बल के साथ ज़रूरी है सहृदयता जो बल को सबल बनाती है और जन कल्याण मे सहयोग करती है।

राम और कृष्ण भी बली थे एवं कन्स और रावण भी परन्तु कन्स और रावण को घृणा कि भावना से देखा जाता। राम और कृष्ण के बल का सदुपयोग कर जीवन मे सफलता हासिल की और प्रजा के हित मे काम किया। बल का सदुपयोग करने से सफलता प्राप्त होती है इस वाक्य मे पूर्ण सच्चाई है।

प्रश्न — २०

उत्तर दुनिया मे दो अमोघ शक्तियां है :—

(1) शब्द

(2) कृति

B
S
E

(15) [ ] + [ ] = [6]
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 15 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

न क्र.

शब्दों ने तो पूरे संसार को हिला दिया है परन्तु कृति का एक क्षण भी बहुत बड़ा परिवर्तन लाने मे सक्षम है।

कस्तुरबा का अक्षर ज्ञान अत्यंत सीमित था परन्तु उन्होने पूरी निष्ठा के साथ कृति कि उपासना की। कस्तुरबा अपना दायित्व भली-भाँती जानती थी। उनकी कृतियो के कारण ही वह तेजस्वी महिला कहलाती है एवं उनके तेज को कम करने का साहस कोइ नहीं कर पाया।

B
S
E

प्रश्न -21

अथवा

उत्तर केरल कि विशेषताएँ :-

(1) केरल कि महिलाएँ महाश्वेता का रूप धारण करती है अर्थात उज्वल वस्त्र धारण करती है।

(2) केरल बहुत ही हरा भरा प्रदेश है एवं नारियल, केले और कटहल के पेड़ सबके आँगन मे होते है।

(3) शिक्षा का अधिक प्रचार होने से रहन सहन का तरीका उच्च है। सर्वत्र स्वच्छता हर गली और गरीब तबको मे देखी जा सकती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(५) केरल के पुरुष लुँगी धारण करते है तथा वर्ण श्याम होता है।

प्रश्न - २२

उत्तर यशोदा ने देवकी को संदेश भेजा कि मे जानती हू कि मैं तुम्हारे पुत्र कृष्ण कि धाय मात्र हू। तुम कृष्ण पर हमेशा प्यार और दुलार बरसाते रहना। वे कहती है कि मेरे लाडले बालक कृष्ण को सुबह माखन रोटी का नाश्ता हि भाता है। वे यशोदा को बताती है कि कृष्ण गर्म पानी उबटन और तेल देखकर भाग जाते है अर्थात वे बहुत ~~मुश्क~~ मुश्किल से नहाते है। यशोदा बताती है कि वे जो माँगे उसे दे देना तब जाकर वह नखरे करते हुए स्नान करेगा। माता यशोदा देवकी से कहती है कि मैं मुझसे रहा नहीं गया इसलिए यह कह रही हू क्योंकि माँ के लिए तो उसका पुत्र हमेशा छोटा हि होता है। यशोदा को यह भी चिन्ता लगी रहती है कि उनका पुत्र अत्यन्त संकोची है वह अपने मन कि बात नहीं कहेगा और अपने मन को मारता रहेगा। तो यशोदा देवकी से आग्रह करती है कि मेरे लाडले का ख्याल रखना।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्न 23

उत्तर लोग सिरचन को चटोरा और बेगार समझते थे। वे यह समझते थे कि सिरचन को काम के बदले पैसे या अनाज देने कि कोइ आवश्यकता नहीं है, बस पेट भर खिला दो वह कुछ नहीं बोलेगा। परन्तु वे ये भी जानते थे कि जिस दर्जे का कारीगर सिरचन है उस गाँव मे उस दर्जे कि कारीगरी कोई भी नहीं कर सकता। बड़े बड़े लोग पहले सिरचन के पास काम करवाने आते थे। दूर दूर दूर से सिरचन कि बनाई हुई शीतपाटी, चिक एवं आसनी कि माँग होती थी। परन्तु समय के साथ और आधुनिकता के चलते सिरचन को का महत्व कम होते गया और अब तो कोई उसे मजदूरी के लिए भी नहीं बुलाता। सब गाँव वालों कि धारणा यह बन गई थी कि यदि सिरचन से काम कराना हो तो अच्छे पकवान बनाओ सिरचन खुद भागते हुए आ जाएगा।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADES

प्रश्न क्र.

प्रश्न -24

अथवा

माँ

उत्तर संदर्भ :- यह कविता पाठ्य पुस्तक मकरंद से ली गई है। कविता का नाम है "विश्व कि शुभकामना - माँ" एवं इसके रचयिता है "श्री बालकवी बैरागी"।

प्रसंग → इस पंक्ति में माँ यह ज्ञात करा रही है कि वह पाँचो तत्वो का समावेश है एवं विश्व कि शुभकामना है। माँ विश्व कि जननी है जन्मदात्री है।

व्याख्या :- कवि बैरागी माँ के हृदय को अभिव्यक्त करते हुए कहते है कि माँ पाँचो तत्वो को अपने अंदर समाए हुए है। माँ धरती के समान धैर्यवान है। माँ गगन कि तरह ज्योतिर्मयी है। अग्नि कि तरह ज्वलंत है। माँ पवन की तरह गतिमान है और जल कि तरह गंभीरता को अपने अंदर समाय हुए है। माँ शिशु से बहुत प्यार करती है और वह जन्म देती है। माँ मे वात्सल्य का गुण

B
S
E

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOA

विद्यमान है और वह वह इस विश्व के लिए मंगलकारी है। इस विश्व कि शुभकामना है मां।

प्रश्न - २५

(i) शीर्षक → शिक्षा का उद्देश्य

(ii) बेकारी → व्यर्थता, निकम्मापना, बेरोज़गारी

(iii) **सारांश**

शिक्षा का उद्देश्य मनुष्यता का निर्वाह करना होता है एवं छात्र को आत्म निर्भर बनाना। परन्तु अब यह लाभ नहीं हो रहे रहे और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। लोग को डिग्री मिल रही है पर नौकरी नहीं।

(iv) शिक्षा का उद्देश्य → शिक्षा का उद्देश्य होता है छात्र के आगे के जीवन के लिए उसे आत्मनिर्भर बनाना एवं चरित्र निर्माण करना। छात्र को इस काबिल बनाना कि वह अपनी शिक्षा गृहण कर अपने जीवन का निर्वाह कर सके अर्थात नौकरी कर अपना तथा अपने परिवार का निर्वाह कर सके।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न – २६

(i) "~~श्री~~ देश की स्वाधीनता"

~~(ii) काली घटा से तात्पर्य है कि शत्रुओं द्वारा देश को बंदी न बनने देना~~

(ii) काली घटा का तात्पर्य है उन शत्रुओं से जो देश को बंदी बनाना चाहते है। अर्थात देश को बंधन मे बांधकर उसकी गरिमा एवं सम्मान को कम करना चाहते है या गिराना चाहते है।

(iii) यह कविता स्वतंत्रता संग्राम के तहत स्वाधीनता कि लड़ाई को दर्शाती है। कवि ~~कहते~~ कहते है कि देश वासी संसार को नई तस्वीर देने के काबिल है। वे देश के सम्मान को बनाये रखने कि मांग करते है। वे कहते है कि भले कि देश के लिए शहीद हो जाये परन्तु स्वाधीनता पर आँच नही आना चाहिए।

(21) [ ] + [—] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 21 के अंक | कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 27 पत्र

अथवा

विद्या हॉस्टेल,
इंदौर (म.प्र.)

आदरणीय पिताजी
सादर प्रणाम,

मैं यहाँ हॉस्टल में सकुशल हूँ आशा करता हूँ आप भी सुखी होंगे। मेरी बोर्ड परीक्षा कि दिनांक नजदीक आ चुकी है और मैं उसकी तैयारी भी पूरी मेहनत एवं लगन के साथ कर रहा हूँ। मैंने अपने पढ़ने के समय को व्यवस्थित तरीके से प्रयोग करने के लिए समय सरणी भी बनाई है तथा उसका नियम से पालना कर रहा हूँ। मैं रोज़ सुबह 5 बजे उठकर पढ़ता हूँ और खाने पीने पर भी ध्यान दे रहा हूँ। अगर मेरी बोर्ड कि तैयार इस प्रकार चलती रही तो मै वादा करता हूँ कि बहुत उत्तर अंको से उत्तीर्ण होकर दिखाऊँगा। पिताजी अगर आपकी सहमती हो तो मुझे कुछ पैसो कि आवश्यकता थी बोर्ड के लिए कुछ पुस्तकें खरीदनी थी, जिससे मै और भी अच्छे से पढ़ सकूँ। अब बस बोर्ड परीक्षा के लिए 2 हफ्ते बचे हुए है और आपकी कृपा हुई तो मेरे सारे

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न पत्र अच्छे जायेंगे।

अंत मे मैं आपके आर्शीवाद कि कामना करता हू। माँ के चरण स्पर्श और बहन मीनू को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
x. y. z.

दिनांक – a/b/c.

B
C
E

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 23 के अंक	-	कुल अंक

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

प्रश्न २४

खण्ड (ब) ⇒ रूपरेखा

I. बेरोज़गारी की समस्या

रूपरेखा → प्रस्तावना
→ बढ़ती जनसंख्या से बेरोज़गारी
→ सरकार के प्रयास
→ बेरोज़गारी से समाज पर दुष्प्रभाव
→ बेरोज़गारी कम करने के उपाय
→ युवा का योगदान
→ उपसंहार

खण्ड (अ)

निबंध

(ii) पर्यावरण, प्रदूषण और हमारा दायित्व

प्रस्तावना :- आज के इस आधुनिक युग में प्रदूषण एक बहुत बड़ी समस्या के रूप

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

मे हमारे ~~समक्ष~~ समक्ष खड़ी है। ईश्वर कि सबसे सुन्दर देन पर्यावरण को हम मानव अपने स्वार्थ के लिए अत्यंत क्षति पहुंचा रहे है। हमे इस ~~स~~ संसार कि भेंट कि रक्षा करनी चाहिए पर हम अपने मतलब के लिए संसार को बेहद क्षति पहुंचा रहे है। हम सब अपनी ज़रुरतो के लिए विश्व धरोहर पर आश्रित है और अगर आज इसकी रक्षा नही की तो मानव एक दिन इस पृथ्वी से लुप्त हो जाएगा।

<u>हमारा पर्यावरण</u> → धरती का पर्यावरण ईश्वर की भेंट है इसे नष्ट करने वाले घोर पापी मनुष्य ही है। जब सृष्टी की संरचना हुई तब हमे शुद्ध वायु, जल, धरा आदी प्रदान किया गया था। और यह अत्यंत लाभकारी था जीवन निर्वाह के लिए। ~~प~~पर्यावरण मे सारे पशु, पक्षी आदी समाहित है। पर्यावरण कि हानी का अर्थ है इन सभी को क्षति पहुंचाना।

<u>प्रदूषण → एक समस्या</u> → दिनो दिन प्रदूषण कि समस्या बढ़ती ही जा रही है। आज तो बाहर खुली हवा मे सांस

2017

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, ~~भोपाल~~ 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय : विषय कोड : परीक्षा का माध्यम दिनांक 07 03 17

Hindi (Gen) 0 5

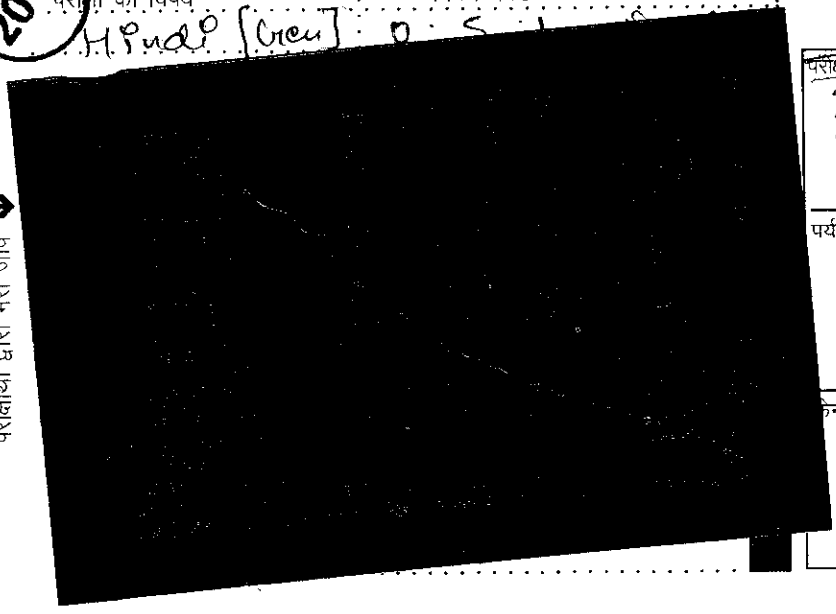

[redacted]

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक 671054

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

07-3-17

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

Sonakia

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक..............................तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

लेना भी मुश्किल हो गया है। प्रदूषण इस धरती पर एक बिमारी कि तरह फैलता जा रहा है। प्रदूषण कई प्रकार के होते है :—

(अ) ध्वनि प्रदूषण → अत्यधिक तेज़ आवाज़ मे शोर गुल से यह प्रदूषण फैलता है। आधुनिक ज़माने मे गाड़ियो मशीनो से अत्यधिक शोर उत्पन्न होता है।

(ब) वायु प्रदूषण :– वायु प्रदूषण ने तो ईंसान का इस धरा पर जीना मुश्किल कर दिया है। टी.बी., अस्थमा आदि बिमारिया वायु प्रदूषण से ही हो रही है।

का योग

प्रश्न क्र.

(स) जल प्रदूषण → कल कारखानो का म
नदियों एवं तालाबो मे
ही डाल दिया जाता है जिससे पानी
मे अनेक रसायन एवं जीवाणु आ जा
है। इस दूषित पानी के सेवन
टाइफाइड, दस्त आदी बिमारियाँ जन
समाज मे हो रही है।

(द) भूमी प्रदूषण → कचरा इधर उधर
फेकने से भूमी प्रदूष
होता है। भूमी प्रदूषण से रहने का
स्तर भी नीचे दिखाई पड़ता।
अपने आस पास स्वच्छता न रखने से
अनेक बिमारियाँ भी होती है।

B
S
E

प्रदूषण से जन जीवन व्यापन मुश्किल हो
रहा है। दूसरे देश के लोग भी
भारत को घृणा कि भावना से देखते
क्योंकि यहाँ स्वच्छता कि कमी है।

प्रदूषण रोकने मे हमारा दायित्व → लोगो मे
स्वच्छता के प्रति जागरूकता से ही
इस समस्या का समाधान हो सक
है। कल कारखानो से निकलने वाले
मल को नदियों मे न बहाया
जाए। अत्यधिक शोर गुल करने प

3 [ ] + [ ] : [ ]
योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 3 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

सजा होनी चाहिए। हर जगह शौचालय तथा कचराघर कि व्यवस्था होनी चाहिए। हमे अपने घर मे कम्पोस्ट तैयार करना चाहिए तथा फल फूल आदी कि खाद भी तैयार कर लेनी चाहिए।

उपसंहार

→ प्रदूषण है तो एक बड़ी समस्या पर यदी सब एकजुट होकर इसका निपटारा करने कि ठान ले तो मुझे विश्वास है कि एक दिन हम इस समस्या पर विजय प्राप्त कर ही लेंगे। पर्यावरण हमे ईश्वर कि दी हुई अमुल्य धरोहर है तथा हमे उसका सम्मान करते हुए रक्षा करनी चाहिए।

B
S
E